07/06/2017; Issue 064; ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

अमर फल

बोउ अपु मठड़ कोईए धे रुपेई दते त फल खरीदुण जे बजार लंघा। कोईए बथ हेरु कि सुआ मेहणु जेन्के जन्न पुठ झिणे बि न थिए, त से ढूकि बेलि अबज भुण लगो थी। तेन कोईए अपु रुपेई तेन्के धे दी छड़े। तेन्हि, तेन्हि रुपेई बई खाण जे कुछ समान खरीदा।

से कुआ सुआ खुश भोई गा। से मने-मने सुआ खुश भोई कइ अपु गी जे पैठ आ। बोउए पुछु, "कोईआ! फल न आण्हे ना?" कोईए जबाव दुतु, "मेईं तुसी जे अमर फल आणतो असा, बोउआ!" बोउए पुछु, "से कोउं फल भुन्ता?" कोईए बोलु, "बोउआ! मेईं अपु ईं सुआ मेहणु ढूके मरते काए त मोउं केआं बिशिउ नोउ। मेईं से सोब रुपेई तेन्के धे दी छड़े। तेन्के आजकण ढूक बिश गई। अस फल खांते त दुई चोउर मिनठे लिए हें मुँह मुठु भोई घेन्तु। पर मेईं जे किउ तसे फल त अमर असा न बोउआ?"

तेस कोईए बोउ बी धर्मी थिआ, त कोईए बोक शुण कइ से सुआ खुश भोई गा। तेन बोलु, "हाँ, वे कोया! तु ठीक बोता। असी लौता कि अस हमेशा होरे जरुरतमन्द मेहणु के मदद करूं, किस कि जे मेहणु सेवा कता, से परमेश्वरे सेवा कता।"

धर्मी कोउं?

यक लिंग गुरुजी इ कथा शुणाण लगा।

कोई दुई मेहणु देहेर अन्तर प्रार्थना दुआ करुं जे गो थिए। तेन्हि बुच यक चतुर सिंह थिआ, त होरा थिआ जगत सिंह।

चतुर सिंह खड़ भुई कइ अपु मन अन्तर प्रार्थना करुं लगा 'ए परमेश्वरा। अउं तें धन्यवाद कता कि अउं होरे मेहणु के ईं दुष्ट त डाकु नेईं, होर ना नजेजे रिश्ते रखणे बाड़ा भो। अउं त इ जगत सिंह के ईं बि नेईं। अउं हर हफते, दुई दुई लिंग ब्रत रखता, पूजापाठ कता त अपु सम्हाई कमाई दसवाँ हिस्सा तेंन्धे देन्ता।'

पर जगत सिंह अपैफ मोटा पापी समझ कइ देहेर केआं दूर खड़ भुआ त तेनि स्वर्गे कना अपु नजर बि उठाणे हिम्मत ना कइ बटि। पर बोडा दुखी भोई कइ अपु छाति बजाई बजाई कइ बोलु, 'ए परमेश्वरा, मोउं पेपी पुठ दाह् कर त मोउं माफ कर!'"

त अउं तुसी जे बोता कि से चतुर सिंह नेईं बल्कि जगत सिंह धर्मी भुई कइ अपु गी जे गा। किस कि जे अपेफ मोटा समझता, तस परमेश्वर मठुड़ कता; त जे अपफ मठुड़ समझता, तस परमेश्वर मोटा कइ छता।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हें घे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418431531

9418429574

9418329200

9418411199

9418904168

9459828290

CC

टिन्हा जमदार त तसे जुएली

यक टिन्हा जमदार थिआ। तेस जमदारे जुएली बी सुआ टिन्हि थी। यक रोज भ्यागे जमदार अपु बग कम करण जे गा। जमदारे जुएली झठ आटी अन्तर गई त लेडडू बणाइ कई गलेजे भेएड़ आई त खाण लगी। तोउं से जोरी जोइ बोलुण लगी "हॉ....ऑ कत अब्बल लेडडू बणो असे।" लेडडू खांते-खांते तसे नजर बेहरी बन्हो गौड़े पुठ गई। से जिल्हाणु बोलुण लगी "ओ-हो मोउं त लडडू नियोकइ कइ खाण थिए। अउं गलेज बन्न करण भुल गई। अब त गौड़े अउं लेडडू खांती काओ असी। गौड़े कुतरे भेएड़ घेई कइ तसे कन चटण लगा। जिल्लेणु लगु कि गौड़ा कुतरे कन पतूं की बोलुण लगो असा। "मोउं लगतू कि गौड़ा में बारे कुतर जे कि बोलुण लगो असा।" से दौड़ दी कई गौड़े भेएड़ घेन्ती। गौड़े जे बोती "तें छने-खुर बिनि, में धाणि जे बोलीं कि अउं चोरि-चोरि लेडडू खांती।" गौड़ा अपु मस्त भोई कई उगाउं लगो थिआ। त तेस जिल्हाणु मन "हेर, गौड़ा मोउं की चढ़ाण लगो असा। ए जरुर में धाणि जे बोता।"

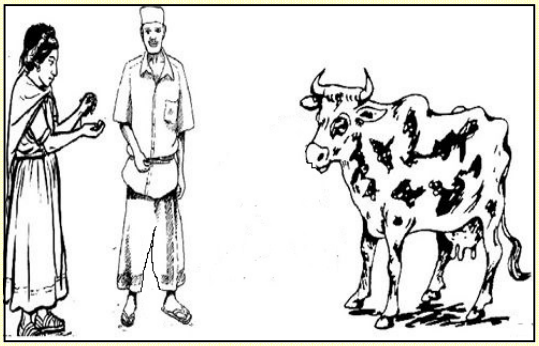

से ईं बोलुण लगो थी कि तसे धाणि बी केलेऊ खाण जे एई गा। तसे धाणि बोलुण लगा "तु किस अति परशान भो असी। गौड़े कि भो त नेई ना?" जुएली बोती "ना-ना गौड़े किछ नेई भो। से चथि करण केआं पहेलाई त खरु असु कि अउंए तोउ जे बोल छती। "आज जपल तुस कम करण जे बग गे। तढ़िया पता मेईं चोरि कइ लेडडू बणाइ कइ खाए। लेडडू खांती-खांती अउं गौड़े काई छई। ए मोउं चढ़ाण लगो असा कि अउं तें धाणि जे बोल छता। मेईं असे खुर बिने, छने किउ पर ए मानता ई नोउ।" जमदार बोता "हॉईं! ए तोउ चढ़ाण लगो असा ना? असे अति हिम्मत ना?" तिखेईं बी गौड़ा उगाऊणे लगो थिआ। से बोती "हेर-हेर अभेईं बि ए मोउं जणाण लगो असा। बोता किछ नऊ पर मुँह बणाण लगो असा। अउं सोचण लगो असी कि ए सोबी ग्रां बाडी जे बि बोल देन्ता।" से जोरी-जोरी रोलाण लगी। "अब त ग्रां बाड़े बि सोब जेईं मोउं चढ़ांते।" तोउं तेस धाणि बोता, "ना रोल, अउं हेरता। ए गौड़ा केस जे कि बोता? ए केसे जे न बोता।" जमदार यक लठ आण कइ गौड़े केईं घेन्ता। से गौड़े जे बोता "तोउ केसे जे ना बोलुण बा।" गौड़ा अपु उगाऊं अन्तर मस्त असा। से हेरता कि गौड़ा तसे धे शुणणे नेई लगो, से गौड़े पुठ लठि बई देन्ता। गौड़ा लियरी देन्ता उपा...उपा...। गौड़े लियरी शुण कई सोब ग्रां बाड़े एई घेन्ते। ग्रां बाड़े तेस जे बोलुण लगे "तु कि करण लगो असा। तु गौड़े किस मडण लगो असा। तु पगलीण लगो असा ना?" जमदार बोता, "कि करु मेईं त में जुएली कत समझाण लो थिआ, कि केसे जे न बोलुण, कि में जुएली रोज चोरि-चोरि लेडडू बड़ाई कइ खांती। पर ए मान्ता नऊ। अउं असे मुँह बन्न करण लगो असा।" जमदार बोता रिहा त गौड़े मडता बि रिहा। तेनि बिचारा गौड़ा दौड़ाइ-दौड़ाइ मडा त ग्रां बाड़े तसे बुद्धि हेर कइ मगीर पुठ हाथ लाई बिशे।

यक रोज संता अपु कुतरे पुछणी बोतल अन्तर छाण लगो थिया। त बंता बबीता

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एडस बीमारी मेहणु जोइ यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बेलिए केसे बी एडस एई घेन्ता... कॉडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता...एडस मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआं 10 साल तकर कोई लक्ष्ण नजर न एन्ते।